प्रेस नोट

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियॉ पूर्ण

वर्ष में एक बार दोपहर में होगी 22 फरवरी को भस्मार्ती

पर्व की व्यवस्थाओं का आयुक्त एवं आई.जी. ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिये

उज्जैन 20 फरवरी। श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व आज मनाया जायेगा। महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। पर्व की व्यवस्थाओं का आज दोपहर में आयुक्त श्री अजीत कुमार, पुलिस महानिरीक्षक श्री राकेश गुप्ता ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर एवं मंदिर के आस-पास का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अधिकारियों ने दर्शनार्थियों की दर्शन व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जहां कमी पाई गई उन कमियों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। दर्शनार्थियों की दर्शन व्यवस्था सरलता से तथा उनकी सुविधाओं का ध्यान रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिये। दर्शनार्थियों के लिये पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, गर्मी को देखते हुए शामियाना आदि व्यवस्था की जा रही है। दर्शनार्थियों के लिये दर्शन व्यवस्था की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। निरीक्षण के दौरान डी.आई.जी. श्री वरूण कपूरिया, कलेक्टर श्री शशांक मिश्र, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन अतुलकर, नगर निगम आयुक्त श्री ऋषि गर्ग, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री आर.पी. तिवारी, प्रशासक श्री एस.एस. रावत तथा पुलिस एवं जिला प्रशासन तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

आठ स्थानों पर स्वास्थ्य काउन्टर बनाये गये

निर्धारित स्थानों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी रहेगी

श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की आकस्मिक तबियत खराब होने की दशा में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा निर्धारित स्थानों पर चिकित्सा काउन्टर बनाये गये है। काउन्टरों पर चिकित्सकीय अमला तैनात किया गया है। काउन्टरों पर पर्याप्त मात्रा में दवाई आदि की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा काउन्टर मंदिर परिसर, कंट्रोल रूम के समीप, महाकाल प्रवचनहॉल, पुलिस चौकी विश्रामधाम, सरस्वती शिशुमंदिर परिसर, हरसिद्धी चौराहा, फैसिलिटी सेन्टर, निर्गम द्वार म्युजियम के पास लगाये गये है। इसके अलावा प्रशासक कार्यालय के समीप पॉच बिस्तरीय अस्पताल में भी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा दो एम्बुलेंस हरसिद्धी चौराहा, निर्गम गेट, सरस्वती शिशु मंदिर परिसर, पुलिस चौकी के सामने आदि निर्धारित स्थानों पर एक-एक एम्बुलेंस रहेगी। आकस्मिक आपदा आने पर तुरंत चिकित्सकीय उपचार कराया जा सके।

महाशिवरात्रि पर्व पर मीडिया का प्रवेश

महाशिवरात्रि पर्व पर इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकारों का प्रवेश बेगमबाग वीआईपी रूट से आकर माधव सेवा न्यास के पीछे अपने वाहन पार्क करने के बाद शंख चौराहा से निर्माल्य गेट के समीप के रास्ते से महाकाल मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। परिसर के अंदर से जुना महाकाल के पास से पत्रकार बाल हनुमान के पास के रैम्प से कोठार शाखा के गलियारे से होते हुए कंट्रोल रूम के समीप बनाये गये मीडिया सेन्टर पर आ सकेंगे। मीडिया यहां से लोहे की सीढ़ियों से नीचे उतरकर कार्तिकेय मण्डप से होते हुए नन्दी मंडपम में प्रवेश कर दर्शन लाभ के साथ कवरेज कर सकेंगे।

महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की चरण पादुका की व्यवस्था

आज महाशिवरात्रि पर्व पर दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के लिये अस्थाई जूता स्टेण्ड की व्यवस्था विकास प्राधिकरण द्वारा की गई है। अस्थाई जूता स्टेण्ड हरसिद्धी मंदिर चौराहे पर की गई है। यहॉ पर जूता स्टेण्ड के काउन्टर बनाये गये है। दर्शनार्थियों को टोकन नम्बर दिये जायेंगे। दर्शन उपरांत दर्शनार्थियों को निर्गम के बाहर बने जूता सटेण्ड काउन्टर पर टोकन नम्बर एवं काउन्टर नम्बर उपलब्ध कराने पर जूता -चप्पल उपलब्ध कराये जायेंगे। हरसिद्धी चौराहे से जूता चप्पल एक कपडे के बैग में व्यवस्थित लाकर निर्गम के समीप बने जूता स्टेण्ड काउन्टर पर हर आधे -एक घण्टे

में रिक्शा के द्वारा लाया जायेगा। महाशिवरात्रि पर्व पर जिन-जिन विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है उन विभागों के नोडल अधिकारी कंट्रोल रूम में तैनात रहेंगे। महाशिवरात्रि पर्व आज है। अगले दिन 22 फरवरी को प्रात: सेहरा चढना प्रारंभ होगा। प्रात: 6 बजे सेहरा आरती होगी और प्रात: 11 बजे से सेहरा उतारना प्रारंभ होगा तथा दोपहर 12 बजे से भगवान महाकाल की वर्ष में एक बार दोपहर में भस्मार्ती होगी। इसके बाद दोपहर पश्चात भगवान महाकाल की भोग आरती संपन्न होगी।

दर्शनार्थियों की प्रवेश व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर्व पर सामान्य दर्शनार्थियेां की दर्शन व्यवस्था हरसिद्धी मंदिर चौराहे से बडा गणेश मंदिर, पुलिस चौकी, सरस्वती शिशु मैदान, माधवसेवा न्यास पार्किंग, मुख्य प्रेवेश द्वार शहनाई जिक-जेक, टनल छत, फेसेलिटी सेन्टर, टनल, नैवेद्य कक्ष के सम्मुख 06 नम्बर द्वार से होते हुए कार्तिक मंडपम एवं गणेश मंडपम से दर्शनार्थी भगवान महाकाल के दर्शन करने के पश्चात निर्गम द्वार से बाहर निकलेंगे। इसी प्रकार हरसिद्धी चौराहे से ड्यूटीरत कर्मचारी जिनको पास जारी किया है वे तथा 250 रू. की शीघ्र दर्शन टिकिट धारी और दिव्यांगजन, वृद्धजन की एक कतार से होकर बडा गणेश होते हुए भस्मार्ती 4 नम्बर गेट से प्रवेश करेंगे। इसी तरह हरसिद्धी मंदिर चौराहे से पुजारी, पुरोहित एवं उनके परिजन की अलग से कतार में होकर महाकाल प्रवचनहॉल से कोटितीर्थ कुण्ड होते हुए प्रवेश करेंगे।

प्रवेश पास में क्यू.आर. कोड

महाशिवरात्रि पर्व पर इस बार प्रवेश पास में क्यू.आर. कोड जारी किया गया है। ये पास समस्त ड्यूटीरत कर्मचारियों, मीडिया, पुजारी, पुरोहित, प्रतिनिधि, परिवारजन, सर्विस वाहन आदि पास में क्यू.आर.कोड रहेगा। महाशिवरात्रि पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिये संपूर्ण मंदिर परिक्षेत्र में कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिये विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

क्रमांक - 86

संलग्न- फोटों

एस. कुमार उज्जैनिया/ गौरी जोशी

शिव नवरात्रि के आठवे दिन भगवान महाकाल ने श्री शिव तांडव के स्वरूप मे दर्शन दिये

उज्जैन 20 फरवरी। शिव नवरात्रि के आठवे दिन सायं पूजन के पश्चात बाबा महाकाल ने श्री शिव तांडव स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिये। इसके पूर्व प्रातः शासकीय पुजारी श्री घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में 11 ब्राहम्णों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया तथा सायं पूजन के पश्चात बाबा श्री महाकाल को नवीन वस्त्र धारण करवाये गये। इसके अतिरिक्त मेखला, दुपट्टा, कटरा, मुकुट, छत्र, मुण्ड माला एवं फलों की माला आदि धारण कराई गई।

प्रशासक श्री एस.एस. रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि, आज 21 फरवरी को प्रात: 2.30 बजे भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट खुलेंगे और भस्मार्ती रात्रि 2.30 बजे से 4.30 बजे तक संपन्न होगी। दद्योदन आरती प्रात: 7.30 बजे से प्रात: 8.15 बजे की जायेगी। भोग आरती प्रात: 10.30 बजे से 11.15 होगी। श्री महाकालेश्वर का सतत जलधारा से अभिषेक होगा। दोपहर 12 बजे गर्भगृह में उज्जैन तहसील की ओर से पूजा की जावेगी व सायं 04 बजे होलकर एवं सिंधिया स्टेट की ओर से पूजन होगा। संध्या आरती शाम 5.30 बजे होगी। कोटेश्वर भगवान का पूजन रात्रि 8 बजे से 10 बजे पूजन होगा। भगवान महाकाल को रात्रि 10.30 बजे के बाद जलपात्र से जल चढना बंद हो जायेगा तथा महापूजन प्रारंभ होगा।

22 फरवरी को दोपहर में होगी भस्मार्ती

इसी प्रकार महाशिवरात्रि के अगले दिन 22 फरवरी को प्रात: 4 बजे से सेहरा चढना और प्रात: 6 बजे सेहरा आरती होगी। प्रात: 11 बजे से सेहरा उतरना प्रारंभ होगा। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक भस्मार्ती होगी। दोपहर 2.30 बजे से 3 बजे तक भोग आरती तत्पश्चात ब्राम्हण भोज होगा। संध्या पूजन शाम 5 बजे से 5.45 बजे भगवान को जल चढना बंद होगा। शाम 6.30 बजे से 7.15 बजे तक संध्या आरती और रात्रि 10.30 बजे शयन आरती के बाद पट मंगल हो जायेंगे।

क्रमांक - 87

एस. कुमार उज्जैनिया/ चित्रा काले

संशोधित प्रेस नोट

महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की चरण पादुका की व्यवस्था

आज महाशिवरात्रि पर्व पर दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के लिये अस्थाई जूता स्टेण्ड की व्यवस्था की गई है। अस्थाई जूता स्टेण्ड हरसिद्धी मंदिर चौराहे पर रहेगा। यहॉ पर जूता स्टेण्ड के काउन्टर बनाये गये है। दर्शनार्थियों को टोकन नम्बर दिये जायेंगे। दर्शनार्थी दर्शन उपरान्त निर्गम द्वार से बाहर आकर रूद्रसागर के बीच में बने कच्चे रास्ते से होकर पुन: जूता स्टैण्ड पर पहुचकर अपनी चरण पादुकाएँ प्राप्त करेगें।

फलहारी काउन्टर बेगमबाग तिराहा के समीप रहेगें

महाशिवरात्रि पर्व पर अलग-अलग संस्थाएँ श्रद्धालुओं को नि:शुल्क् फलहारी खिचडी, प्रसादी का वितरण करती है। इस बार प्रशासन द्वारा फलहारी काउन्टर की अनुमति बेगम बाग तिराहें के समीप दी गयी हैं। यहा पर श्रद्धालु फलहारी प्रसाद ग्रहण कर अपने गंतव्य की ओर जायेगे।

सशुल्क शीघ्र दर्शन व प्रसाद के चार-चार काउन्टर लगाये जायेगे

महाशिवरात्रि पर्व रूपये 250 के शीघ्र दर्शन प्रवेश पास के चार काउन्टर हरसिद्धि चौराहे पर लगाये जायेगे। जिस पर प्रात: 08 बजें से विक्रय करना प्रारम्भ किया जावेगा। 250 रू. की शीघ्र दर्शन टिकिट धारी और दिव्यांगजन, वृद्धजन की एक कतार से होकर बडा गणेश होते हुए भस्मार्ती 4 नम्बर गेट से प्रवेश करेंगे।

इसी तरह लड्डू प्रसाद चार काउन्टर शंख द्वार(चौराहा) के पास स्थापित किये गये है। इन काउन्टरों से श्रद्धालु प्रसादी क्रय कर सकेगें।

क्रमांक - 86

संलग्न- फोटों

एस. कुमार उज्जैनिया/ गौरी जोशी